✡ मूल आगम सूत्र लेखन हेतु उपयुक्त प्रकाशन :-

→ **11 अंगसूत्र -**

(1) आचारांग सूत्र → जैन आगम ग्रंथमाला: 2(1), महावीर जैन विद्यालय
(2) सूत्रकृतांग सूत्र " " : 2(2), " "
(3) स्थानांग सूत्र " " : 3, " "
(4) समवायांग सूत्र " " : 3, " "
(5) भगवती सूत्र " " : 4(1+2), " "
(6) ज्ञाताधर्मकथा सूत्र " " : 5(1), " "
(7) उपासकदशांग सूत्र → संपादक - बेचरदास जीवराज दोशी, प्र.- प्राकृत ग्रंथ परिषद
(8) अन्तकृद्दशांग सूत्र → संपा.- सागरानंदसूरि, प्र.- जैनानंद पुस्तकालय
(9) अनुत्तरोपपातिकदशांग सूत्र → संशो.- दानसूरि, प्र.- आत्मानंद जैन सभा, भावनगर
(10) प्रश्नव्याकरण सूत्र → संशो.- मफतलाल झवेरचंद गांधी, प्र.- मुक्तिविमल जैन ग्रंथमाला (7)
(11) विपाक सूत्र → संपा.- सागरानंदसूरि, प्र.- जैनानंद पुस्तकालय

→ **12 उपांगसूत्र -**

(12) औपपातिक सूत्र → संपा.- मुनिचंद्रसूरि, प्र.- महावीर जैन विद्यालय
(13) राजप्रश्नीय सूत्र → संशो.- बेचरदास जीवराज दोशी, प्र.- गूर्जर ग्रंथरत्न कार्यालय (प्राकृत ग्रंथमाला-9)
(14) जीवाजीवाभिगम सूत्र → संपा.- सागरानंदसूरि, प्र.- देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार फंड
(15) प्रज्ञापना सूत्र → जैन आगम ग्रंथमाला: 9(1+2), महावीर जैन विद्यालय
(16) सूर्यप्रज्ञप्ति सूत्र → संशो.- सागरानंदसूरि, प्र.- आगमोदय समिति
(17) जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति सूत्र → " - " , प्र.- देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार फंड
(18) चन्द्रप्रज्ञप्ति सूत्र → संशो.- रत्नबोधिविजयजी, प्र.- महावीर जैन विद्यालय
(19) निरयावलिका सूत्र → संशो.- सागरानंदसूरि, प्र.- जैनानंद पुस्तकालय
(20) कल्पावतंसिका सूत्र → " " , " " "
(21) पुष्पिका सूत्र → " " , " " "
(22) पुष्पचूलिका सूत्र → " " , " " "
(23) वृष्णिदशा सूत्र → " " , " " "

→ **6 छेदसूत्र -**

(24) निशीथ सूत्र → संपा.- पूर्णचन्द्रसागर गणि, प्र.- जैनानंद पुस्तकालय
(25) महानिशीथ सूत्र → संशो.- पुण्यविजयजी, प्र.- प्राकृत ग्रंथ परिषद
(26) व्यवहार सूत्र → संपा.- मुनिचंद्रसूरि, प्र.- ओमकारसूरि ज्ञानमंदिर

(27) दशाश्रुतस्कंध सूत्र → संपा.- सागरानंदसूरि, प्र.- जैनानंद पुस्तकालय
(28) बृहत्कल्प सूत्र → संपा.- पुण्यविजयजी, प्र.- आत्मानंद जैन सभा, भावनगर
(29) जीतकल्प सूत्र → संपा.- पुण्यविजयजी, प्र.- बबलचंद्र केशवलाल मोदी

→ 4 मूल सूत्र -

(30) उत्तराध्ययन सूत्र → जैन आगम ग्रंथमाला : 15, महावीर जैन विद्यालय
(31) दशवैकालिक सूत्र → " " " " " " "
(32) आवश्यक सूत्र → " " " " " " "
(33) पिंडनिर्युक्ति सूत्र → संशो.- सागरानंदसूरि, प्र.- देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार फंड

→ 10 प्रकीर्णक सूत्र -

(34) चतुःशरण प्रकीर्णक सूत्र → जैन आगम ग्रंथमाला : 17 (2 भाग), महावीर जैन विद्यालय
(35) आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(36) भक्तपरिज्ञा प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(37) संस्तारक प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(38) तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(39) चन्द्रावेध्यक प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(40) देवेन्द्रस्तव प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(41) गणिविद्या प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(42) महाप्रत्याख्यान प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "
(43) वीरस्तव प्रकीर्णक सूत्र → " " " " "

→ 2 चूलिका सूत्र -

(44) नंदि सूत्र → जैन आगम ग्रंथमाला : 1, महावीर जैन विद्यालय
(45) अनुयोगद्वार सूत्र → " " " " "

→ अन्य आगम (22) अंतर्गत सूत्र -

(46) ओघनिर्युक्ति सूत्र → संपा: सागरानंदसूरि, प्र. - आगमोदय समिति

Note: जैन आगम ग्रंथमाला : 17 के 3 भाग है। प्रथम दो भाग में 10 प्रकीर्णक/पयन्ना सूत्र है। भाग 3 में जोइसकरंडगम् है, जो 45 आगम में नहीं है। 45 से अतिरिक्त अन्य 22 आगमो में उसकी गणना की जाती है।